उत्तराखंड में देहरादून हवाई अड्डे का अंतर्राष्ट्रीय विस्तार शुरू

चर्चा में क्यों?

इनबाउंड **पर्यटन** को बढ़ावा देने के एक महत्त्वपूर्ण प्रयास में, उत्तराखंड सरकार **देहरादून को एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में बदलने** पर कार्य कर रही है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य सरकार ने **देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे और काठमांडू** के बीच सब्सिडी वाली नॉन-स्टॉप उड़ानों के लिये एयरलाइंस से प्रस्ताव मांगे हैं।
  - रिपोर्टों से पता चलता है कि केंद्र सरकार भारत की वैश्विक पर्यटन स्थल बनने की क्षमता का लाभ उठाने की इस पहल का समर्थन करती है।
  - **वर्ष 2019 में विदेशी पर्यटक आगमन (Foreign Tourist Arrival-FTA) कुल लगभग 1.1 करोड़ था। वर्ष 2022 में यह संख्या घटकर 62 लाख हो** गई लेकिन **वर्ष 2023 में** यह बढ़कर **92.4 लाख** हो गई।
  - उद्योग **अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाकर,** नए पर्यटन मार्गों को शुरू करने और **वीज़ा प्रक्रियाओं को सरल बनाकर** वर्ष 2019 FTA स्तरों को पार करने की रणनीतियों पर चर्चा कर रहा है।
- **इंडिगो और टाटा ग्रुप एयर इंडिया** जैसी प्रमुख एयरलाइनों के साथ-साथ महत्त्वपूर्ण केंद्रों के साथ भारत को एक प्रमुख वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये महत्त्वाकांक्षी रणनीतियाँ चल रही हैं।
- **नेपाल और उत्तराखंड की राजधानी शहरों को जोड़कर,** यह प्रयास न केवल ऐतिहासिक संबंधों को मज़बूत करता है बल्कि **पर्यटन, वाणिज्य तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान** हेतु नए रास्ते भी खोलता है।
- **भारत ने वर्ष 2014 के बाद से हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी कर दी है** और उनमें से कई को कम-से-कम नज़दीकी जलग्रहण देशों से सीधी उड़ानें प्राप्त करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-begins-dehradun-airport-s-international-expansion